

असाधारण EXTRAORDINARY

भीग 11-क्टर 4

PART II—Section 4 इत्तीधकार से प्रकाशिक PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 8]

नई विल्ली, बुधवार, जुलाई 9, 1986/आषा ह 18, 1908

No. 8] NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 9, 1986/ASADHA 18, 1908

इस भाग में भिन्म पृष्ठ संस्था की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा का सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as separate compilation

रका मंत्रालय

मई दिल्ली, 9 जुलाई, 1986

व्यधिसूचमा

का.नि.धा. 8(घ): —सबस्य सेना (धापात स्यूटियां), धिष्ठित्यम, 1947 (1947 का 15षां) की घारा 2 की उपधारा (1) द्वारा प्रदल शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार उत्तर प्रदेश राज्य में विद्युत उत्तादन, उसकी सप्लाई और संवालन तथा ध्रमुरक्षण से संबंधित सेवाओं और तापीय विद्युत केखों के सचालन से संबंधित प्रत्येक सेवा को समाज के लिए प्रस्यक्षिक महत्य की सेवा बोधित करती है।

[फाइल सं. 1(3) 86-रक्षा (जीएस-1] एस. के मिश्रा, संमुक्त सचिव

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 9th July, 1986

NOTIFICATION

S.R.O. 8 (E) :—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 2 of the Armed Forces (Emergency Duties) Act, 1947 (15 of 1947), the Central Government hereby declares every service forming part of, or connected with, generation, supply, operation, and maintenance of electricity and running of Thermal Power Stations in U. P. to be a service of vital importance to the community.

[F. No. 1 (3)|86|D (GS.I)₁S. K. MISRA, Jt. Secy.